SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
Class Notes

CLASS: 4 SUBJECT: हिंदी

Prepared By: Salma (Date:) LESSON- 1 कविता क) हे जग के स्वामी , ख) भारत, व्याकरण- 1. भाषा

प्रश्न-१) शब्दार्थ मधुश्री पाठ्यपुस्तक से नोटबुक में लिखिए।

प्रश्न-२) दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए -

क) कीर्ति-यश

वाक्य-ईश्वर की कीर्ति चारों ओर फैली हुई हैं।

ख) प्रगति-आगे की ओर बढ़ना

वाक्य- हमारा भारत देश निरंतर प्रगति कर रहा है।

प्रश्न-३) खाली स्थान भरिए-

क) चुनमुन कोयल <u>प्रभाती</u> राग गाती है।

ख) प्रातः कालीन किरणें <u>खिड़की</u> खोलकर जगाती हैं।

ग) ईश्वर का श्रृंगार बनकर <u>लाखों तारे</u> चमक रहे हैं।

प्रश्न-४) लघु उत्तरीय प्रश्न

क) इस दुनिया में किस देश के समान दूसरा देश नहीं है?

उत्तर- इस दुनिया में भारत देश के समान दूसरा देश नहीं है।

ख) भारतवासी अपने प्रेम को किस प्रकार जताते हैं?

उत्तर- भारतवासी अपने प्रेम को सबको सच्चे मन से गले लगाकर जताते हैं।

ग) किसकी कीर्ति चाँदनी बनकर फैल रही है और कैसे?

उत्तर- ईश्वर की कीर्ति चाँदनी के रूप में उज्जवल प्रकाश बनकर फैल रही है।

प्रश्न-५) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

क) पहली कविता में प्रकाश से क्या-क्या प्रार्थना की गई है?

उत्तर- कवि प्रकाश से सारे जग को प्रकाश देने के बाद अपने जीवन के पथ पर भी कुछ किरणें चमकाने की प्रार्थना कर रहा है।

ख) ईश्वर को संसार के प्रकाश का स्वामी कहने का क्या कारण हो सकता है?

उत्तर-ईश्वर को संसार के प्रकाश का स्वामी इसलिए कहा गया है क्योंकि ईश्वर ही पूरे संसार का पालनहार है। वही सबको रास्ता दिखाता है।

ग) 'चमक रहा है तेज तुम्हारा' और 'जग में सुंदर, विशाल, अनुपम' पंक्तियाँ एक ही अर्थ देती प्रतीत होती हैं क्या? कैसे ?लिखिए।

उत्तर- जिस प्रकार ईश्वर ने अपने प्रकाश से पूरे जग को रोशन किया उसी प्रकार हमारे भारत देश की विशेषता ने भी सभी देशवासियों को प्रभावित किया है।

घ) 'कामकाज में जुटा हुआ है' का मुख्य भाव क्या है? कवि का संकेत किस ओर है?

उत्तर-'कामकाज में जुटा हुआ है' का मुख्य भाव मेहनत है। कवि ने इस पंक्ति से सभी को मेहनत करने के लिए प्रेरित किया है।

प्रश्न-६) भाव स्पष्ट कीजिए-

क) हे जग के प्रकाश----------चमक देना।

भाव- कभी ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहता है कि हे संसार के प्रकाश के स्वामी जब आप पूरे संसार को अपने प्रकाश से चमका दें तब मेरे जीवन में भी कुछ उजाला कर देना।

ख) प्रगति पथ पर----------दुनिया में दूजा।

भाव- भारतीय हमेशा सफलता के पथ पर बढ़ते रहते हैं और मेहनत को ही भगवान मा मानते हैं, इसलिए कहा गया है कि भारत जैसा दूसरा देश इस दुनिया में कोई नहीं है।

व्याकरण पाठ-१ भाषा

भाषा- भाषा भावों तथा विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम है।

भाषा के दो रूप होते हैं- १) मौखिक भाषा २) लिखित भाषा

१) मौखिक भाषा- बोलना और सुनना भाषा का मौखिक रूप है। जैसे-फोन पर एक-दूसरे से बातें करना, गाना सुनना आदि।

२) लिखित भाषा- लिखना और पढ़ना भाषा का लिखित रूप है।जैसे- पत्र लिखना ईमेल करना अखबार पढ़ना आदि।

लिपि- भाषा के लिखने के ढंग या विधि को लिपि कहते हैं। प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि होती है। जैसे-

भाषा	लिपि
संस्कृत ,हिंदी ,मराठी ,गुजराती	देवनागरी
उर्दू	फ़ारसी
अंग्रेजी	रोमन
पंजाबी	गुरुमुखी

व्याकरण- भाषा के शुद्ध रूप की जानकारी देने वाला शास्त्र ही व्याकरण कहलाता है।

जैसे- अशुद्ध रूप- बच्चे को खिलाओ छीलकर केला।

शुद्ध रूप- बच्चे को केला छीलकर खिलाओ।